इंडियन आर्मी में सामान की क्वालिटी के साथ कोई समझौता नहीं- सुब्रत साहा

रामकृष्णा फोर्जिंग कंपनी में आर्मी एकेडमिया इंडस्ट्री इंटरेक्शन फॉर मेक इन इंडिया कार्यक्रम का आयोजन

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

मेक इन इंडिया के तहत आर्मी के लिए इंडियन डिजाइन डेवलप व मैन्युफेक्चर करने के उद्देश्य से देश के विभिन्न हिस्सों में आर्मी एकेडमिया इंडस्ट्री इंटरेक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञ और मैन्युफेक्चरिंग कंपनियों के बीच समन्वय स्थापित कर आर्मी में उपयोग होने वाले भारी वाहन, उसके पार्ट व अन्य नन क्रिटिकल सामान का उत्पादन देश में करने पर निर्णय लिया जा रहा है, ताकि हमें दूसरे देशों पर आश्रित नहीं रहना पड़े। इससे देश के बाहर जानेवाला राजस्व रुकेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही देश का गौरव भी बढ़ेगा। यह बातें आर्मी के डिप्टी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा ने कही। वे गुरुवार को कोलाबिरा (सरायकेला-खरसावां) स्थित रामकृष्णा फोर्जिंग कंपनी में आयोजित आर्मी एकेडमिया इंडस्ट्री इंटरेक्शन फॉर मेक इन इंडिया कार्यक्रम में बोल रहे थे।

सुब्रत साहा ने कहा कि इस कार्यक्रम की शुरुआत 31 अगस्त को आईआईटी मुंबई में हुई थी। इसके बाद आईआईटी खड़गपुर और मद्रास सहित देश के आठ संस्थानों में कार्यक्रम का आयोजन किया जा चुका है। इसके तहत तकनीकी संस्थान द्वारा फॉर्मूला और डिजाइन उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि फैक्ट्री उसके आधार पर उत्पादन करेगी। उन्होंने कहा कि आर्मी में उपयोग होनेवाली सामग्री एवं उपकरण के उत्पादन में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा, क्योंकि यह देश की सुरक्षा व स्वाभिमान की बात है। रामकृष्णा फोर्जिंग में आर्मी को आपूर्ति करने की फैसिलिटी, कैपेसिटी और सिस्टम उपलब्ध है। इस दौरान सुब्रत साहा ने अपनी टीम के साथ प्लांट का दौरा भी किया। वहीं, पावर प्रेजेंटेशन द्वारा प्रोग्राम की जानकारी दी गई।

जमशेदपुर में उत्पादन की काफी संभावनाएं

रामकृष्णा फोर्जिंग कंपनी में कार्यक्रम का उद्घाटन करते डिप्टी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा व अन्य।

डिप्टी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा ने कहा कि जमशेदपुर व आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन करने की काफी संभावनाएं हैं। यहां प्रचुर मात्रा में रॉ मटेरियल भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि रामकृष्णा फोर्जिंग समूह के चेयरमैन एसपी जालान ने इस क्षेत्र में आर्मी का ध्यान आकृष्ट करने के लिए कार्यक्रम आयोजन करने की जो पहल की है वह सराहनीय है। आर्मी भी इसमें सहयोग करने के लिए हमेशा तैयार है। आर्मी में उपयोग होनेवाले भारी वाहन, पार्ट्स व अन्य 30 सामान की सूची वेबसाइट पर डाली गई है, जिसकी आपूर्ति की जानी है। यहां की कंपनियां अपनी क्षमता के अनुसार आपूर्ति के लिए आवेदन दे सकती हैं। आवेदन देने की प्रक्रिया व नियम के अलावा अन्य सभी तरह की जानकारी आर्मी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आर्मी को कंट्रीब्यूशन के लिए कंपनी तैयार

टीएमएलडीएल के सीओओ संपत कुमार ने कहा कि मेक इन इंडिया के तहत आर्मी को कंट्रीब्यूशन करने के लिए यहां की कंपनियां तैयार हैं। केवल आर्मी को ऑर्डर देने की आवश्यकता है। उन्होंने रामकृष्णा फोर्जिंग के चेयरमैन एसपी जालान की पहल की सराहना की और कहा कि यह पहला मौका है जब आर्मी के इतने बड़े अधिकारी के साथ यहां के उद्यमियों का इंटरेक्शन कराकर सेवा करने का मौका उपलब्ध कराया गया है। संपत कुमार ने कहा कि एसपी जालान के नेतृत्व में आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में उद्योग का तेजी से विकास होगा।

आर्मी के सामान के उत्पादन से गौरव बढ़ेगा

रामकृष्णा फोर्जिंग समूह के चेयरमैन एसपी जालान ने कहा कि आदित्यपुर में रक्षा विभाग के सामान का उत्पादन होगा तो क्षेत्र में रोजगार मिलेगा। साथ ही आदित्यपुर का गौरव बढ़ेगा। आर्मी के डिप्टी चीफ ने पहली बार यहां आकर उद्यमियों को सेवा करने का जो मौका दिया और आदित्यपुर ही नहीं बल्कि झारखंड के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आज के दौड़ में रामकृष्णा फोर्जिंग आर्मी को गुणवत्तायुक्त उत्पादन देने के लिए तैयार है।

आदित्यपुर में पहली बार आर्मी के साथ कार्यक्रम

लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष रुपेश कतरियार ने कहा कि आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में पहली बार आर्मी के साथ इतना बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिससे यहां रोजगार और उत्पादन बढ़ेगा। इसके लिए चेयरमैन एसपी जालान बधाई के पात्र हैं। उनके नेतृत्व में यहां के उद्यमी गुणवत्तायुक्त उत्पादन कर आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं।

बजट की 40 प्रतिशत राशि क्रय पर खर्च

डिप्टी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा ने बताया कि बजट की 40 प्रतिशत राशि क्रय पर खर्च की जाती है। इसमें 60 प्रतिशत क्रिटिकल सामान और 40 प्रतिशत नन क्रिटिकल सामान शामिल हैं। आर्मी का प्रयास है कि मेक इन इंडिया के तहत 40 प्रतिशत नन क्रिटिकल सामान का उत्पादन देश में हो।

कार्यक्रम में ये थे मौजूद : आरकेएफएल के एमडी नरेश जालान व एचआर अध्यक्ष एसपी सेनापति, आर्मी के ब्रिगेडियर एके चंदन व विक्रम सिंह, केडी जसपाल, नीरज कुमार, राकेश वाडेकर, एसिया के अध्यक्ष इंदर अग्रवाल, सुधीर सिंह, संदू जायसवाल, प्रवीन गुटगुटिया, संजय सिंह, एनआईटी के निदेशक रामबाबू कोडाली, प्रो. संजय, एएन सिन्हा, आईआईटी खड़गपुर के प्रो. सूर्यकांत पाल, पराश साहू आदि।

दैनिक जागरण | जमशेदपुर, 3 फरवरी 2017 | www.jagran.com

मेक इन इंडिया में जमशेदपुर से बड़ी उम्मीद

डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ बोले, सेना की जरुरतों को पूरा करने में झारखंड निभा सकता बड़ी भूमिका

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टीनेंट जनरल (प्लानिंग एंड सिस्टम) सुब्रत साहा ने सेना की जरूरतों को पूरा करने में झारखंड अहम भूमिका निभा सकता है। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के तहत कोलाबिरा में देश की दूसरी सबसे बड़ी फोर्जिंग कंपनी रामकृष्ण फोर्जिंग लिमिटेड के प्लांट-5 पहुंचे साहा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सेना का 'स्वदेशी' पर काफी जोर है। इसी वजह से हम देश के अलग-अलग हिस्सों में अवस्थित इंडस्ट्री तक पहुंच रहे हैं। उन्हें सेना की जरूरतों के बारे में बता रहे हैं और संभावनाओं को तलाश रहे हैं। हम लंबी अवधि के समझौते करना चाहते हैं। झारखंड में कच्चा माल की आपूर्ति करने की काफी संभावनाएं हैं। जमशेदपुर एक बड़ा इंडस्ट्रियल हब है। उम्मीद करते हैं मेक इन इंडिया में इसकी बड़ी साझेदारी देखने को मिलेगी। लेफ्ट. जनरल साहा ने बताया कि अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए आर्मी, एकेडमी व इंडस्ट्री के साथ लगातार बात कर रही है। इन वार्ता की काफी अच्छी प्रतिक्रिया सामने आ रही हैं। लोग अपनी इच्छा दर्शा रहे हैं। पिछली त्रिपक्षीय वार्ता में 200 से ज्यादा लोग पहुंचे थे।

कोलेबिरा स्थित आरके फोर्जिंग में सेमिनार का उद्घाटन करते लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा व अन्य तथा कार्यक्रम में शिरकत करते उद्योग जगत के प्रतिनिधि • जागरण

शक्ति को पहचानें, आवश्यकताओं को कर सकते पूरा : संपत

विचार-विमर्श कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि टीएमएल ड्राइवलाइंस के सीओओ संपत कुमार ने कहा कि रामकृष्ण फोर्ज के चेयरमैन एमपी जालान की वजह से सेना के वरीय अधिकारियों से आज रुबरू होने का मौका मिला है। हम पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि जमशेदपुर सेना की जरूरतों को पूरा करने में पूरी तरह सक्षम है। आरकेएफएल और टाटा मोटर्स पहले से सेना को अपने उत्पादों की आपूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने अन्य उद्यमियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हमारे पास क्षमता बहुत है। हम सेना क्षेत्र की जरूरतों को निश्चित तौर पर पूरा कर सकते हैं। बस जरूरत है अपनी शक्ति को पहचाने की। वहीं, आरकेएफएल के चेयरमैन एमपी जालान ने कहा कि उद्यमी सेना से 10, 20, 50 और 100 करोड़ तक के ऑर्डर ले सकते हैं। उन्होंने भविष्य में कंपनी में रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर बनाने की बात कही।

ब्रिगेडियर चानन व विक्रम सिंह ने बतायी सेना की जरूरतें

सेना और रामकृष्ण फोर्ज लिमिटेड की ओर से आयोजित कार्यक्रम के दौरान सेना के ब्रिगेडियर एके चानन और ब्रिगेडियर विक्रम सिंह ने पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सेना के कार्य और उसकी जरूरतों के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि उद्यमी सेना के डिफेंस प्रोक्योरमेंट प्रोग्राम 2016 का अवलोकन कर यह समझ सकते हैं कि सेना की क्या जरूरत है और वह क्या उत्पाद बनाकर दे सकते हैं। उदाहरण देकर समझाया कि टैंक निर्माण में कई सामग्रियां लगती हैं। उनमें से कौन सी सामग्री बनाने में वह सक्षम हैं, इसे समझना होगा। सेना में कंपनी का नाम रजिस्टर्ड कराने का तरीका भी बताया।

कार्यक्रम में ये प्रतिनिधि हुए शामिल

त्रिपक्षीय विचार-विमर्श के इस कार्यक्रम में सेना की ओर से कर्नल केडी जायसवाल, कर्नल नीरज कुमार, कैप्टन राकेश पाठक, एशिया की ओर से इंदर अग्रवाल, संतोष खेतान, रमेश अग्रवाल एसएन ठाकुर, सुधीर सिंह, प्रवीण गुटगुटिया, संजय सिंह, दिलीप गोयल, एकेडमिया के बैनर तले निफ्ट रांची के निदेशक डा. पीपी चट्टोपाध्याय, एनएमएल से डा. जेके साहू, डा. संदीप जी. चौधरी, एनआइटी जमशेदपुर के डायरेक्टर प्रो. रामबाबू कोदाली, प्रो. संजय, आइआइटी खड़गपुर से प्रो. सुजीत कांता पाल, प्रो. पार्था साहा, प्रो. डी चक्रवर्ती, प्रो. सुजय कर आदि ने शिरकत की।

लेफ्टिनेंट जनरल साहा ने किया आरकेएफएल का निरीक्षण

लेफ्टीनेंट जनरल सुब्रत साहा ने रामकृष्ण फोर्जिंग लिमिटेड के प्लांट-5 का निरीक्षण भी किया। इस क्रम में कंपनी के चेयरमैन एमपी जालान ने उन्हें प्लांट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पूरी तरह स्वचालित इस प्लांट को देखकर ले. जनरल साहा काफी संतुष्ट दिखे। चेयरमैन एमपी जालान ने बताया कि आरकेएफएल के प्लांट-5 की स्थापना वर्ष 2014 में की गई थी। यह 40 एकड़ में फैला हुआ है। यह कंपनी रेलवे, ऑटोमोबाइल व सेना को उत्पाद बनाकर देती है। भारत फोर्ज के बाद फोर्ज बनाने वाली देश की यह दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है। करीब 1500 करोड़ का टर्नओवर है। बहुत जल्द यह देश की नंबर एक कंपनी बनने वाली है।

रामकृष्ण फोर्जिंग लिमिटेड के प्लांट-5 का निरीक्षण करते लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रत साहा।

साजो सामान देश में बने तो लागत में आएगी कमी

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (प्लानिंग एंड सिस्टम) लेफ्टिनेंट जेनरल सुब्रत साहा ने कहा कि हमें रक्षा जरूरतों के मामले में भारत को आत्मनिर्भर बनाना है। फिलहाल सेना की जरूरतों को बाहर से मंगा कर पूरा किया जा रहा है जिस पर काफी खर्च आता है। अगर यही साजो सामान भारत में बनने लगें तो लागत में काफी कमी आएगी तथा दूसरे देशों पर निर्भरता भी नहीं होगी।

लेफ्टिनेंट जनरल साहा गुरुवार को मेक इन इंडिया के तहत सरायकेला-खरसावां जिले के कोलेबिरा में अवस्थित रामकृष्णा फोर्जिंग लिमिटेड प्लांट परिसर में उद्योग जगत व अकादमी प्रतिनिधियों के साथ त्रिपक्षीय विचार-विमर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत रक्षा क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए कुल बजट का औसतन 40 फीसद खरीद पर खर्च करता है।

अभी 100 से ज्यादा बड़े ऑर्डर पाइप लाइन में हैं। हम चाहते हैं कि भारतीय कंपनियां इन्हें अवसर के रूप में देखें और सेना को उसकी जरूरत के सामान बनाकर दें। कहा कि सेना एकेडमी और इंडस्ट्रीज के बीच एक परस्पर संबंध स्थापित करना चाहती है। इसीलिए आर्मी-एकेडमिया-इंडस्ट्री के बीच त्रिपक्षीय विचार-विमर्श का कार्यक्रम पूरे देश में चलाया जा रहा है।

संवाद

- उद्यमियों व एकडेमी प्रतिनिधि[...] संग साझा किए विचार
- पाइपलाइन में 100 से ज्यादा [...] ऑर्डर, लाभ उठाएं कंपनियां

यह नौवां कार्यक्रम है। इसकी शुरु[...] आइआइटी मुंबई से अगस्त 201[...] की गई थी। आठवां विचार-वि[...] चंडीगढ़ में आयोजित किया गया [...] उन्होंने सेना की जरूरतों के बारे में [...] हुए कहा कि हमें ऐसी सामग्री चाहि[...] तकनीकी रूप से उन्नत हो।

तकनीक एकेडमी तैयार [...] और सामग्री इंडस्ट्री बना[...] यह तभी संभव होगा जब तक[...] एकेडमी तैयार करे और सामग्री इंड[...] बनाए। इसीलिए यह साझा कार्य[...] चलाया जा रहा है। सेना क्या [...] और भारतीय कंपनियों की क्या [...] है, हम लोग ऐसे कार्यक्रमों से इ[...] आंकलन भी कर रहे हैं। यह भी [...] की कोशिश की जा रही है कि इंड[...] सेना की तात्कालिक जरूरतों को [...] करने में कितनी सक्षम हैं। एनए[...] कंपनियां भी इससे जुड़ सकती हैं। [...] में उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य भार[...] युद्धों को भारतीय साधनों से जीतन[...] इस अवसर पर उनके साथ ब्रिगे[...] एके चानन व ब्रिगेडियर वि[...] सिंह भी थे।

सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रतो पहुंचे कोलाबिरा की रामकृष्णा फोर्जिंग्स, विचार किए साझा

देश में ही रक्षा उपकरण बनाने के प्रयास : साहा

गम्हरिया| संवाददाता

भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रतो साहा ने कहा है कि अत्याधुनिक तकनीक अपनाकर और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन से मेक इन इंडिया का सपना पूरा हो सकता है। साहा ने कोलाबिरा स्थित रामकृष्णा फोर्जिंग्स लिमिटेड कंपनी में मेक इन इंडिया पर आयोजित विचार-विमर्श सत्र के दौरान गुरुवार को ये बातें कहीं।

जलवायु के अनुरूप होगा उत्पादन : साहा ने कहा कि विदेशों के बजाय भारत में रक्षा उपकरणों के निर्माण का प्रयास चल रहा है। मेक इन इंडिया से भारत की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। भारतीय सेना के उपयोग के अनुकूल सामग्रियों का उत्पादन होगा और यहां की जलवायु एवं प्रकृति के अनुसार सामग्रियों की डिजाइन की जा सकेगी।

आईआईटी के साथ भी मंथन : सेना के मेक इन इंडिया कार्यक्रम के प्रमुख साहा ने कहा कि इस परियोजना के लिए सेना

मंथन

- भारतीय सेना के उपयोग के अनुसार बनानी होगी सामग्री
- देश में बनेंगे रक्षा उपकरण तो बचेगी करोड़ों की विदेशी मुद्रा

के साथ तकनीकी संस्थान और औद्योगिक इकाइयों को एक साथ जुड़ना होगा। मेक इन इंडिया को धरातल पर लाने के लिए आईआईटी मुंबई, आईआईएससी बेंगलुरु समेत कुल आठ प्रमुख संस्थानों के साथ मिलकर विचारों का आदान-प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के लिए वर्तमान में 60 प्रतिशत उपकरणों का आयात विदेशों से किया जा रहा है। इसके एवज में अरबों रुपये की राशि विदेश चली जाती है।

औद्योगिक इकाइयों से भी आह्वान : इसलिए रक्षा मंत्रालय चाहता है कि यह उपकरण हमारे देश में बनें। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को अपनी

कोलाबिरा स्थित रामकृष्णा फोर्जिंग्स लिमिटेड कंपनी में विचार सत्र को संबोधित करते भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रतो साहा। • हिन्दुस्तान

उत्पादन क्षमता में उच्च तकनीक का इस्तेमाल करना होगा। इस अवसर पर भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से आवश्यक उपकरण निर्माण की तकनीकी जानकारी एवं पंजीयन के संदर्भ में बताया गया।

प्लांट का लिया जायजा : सेना के उच्चाधिकारियों ने इस अवसर पर प्लांट में घूम-घूमकर उपकरणों एवं मशीनों का जायजा लिया। इससे पूर्व कंपनी के चेयरमैन महावीर प्रसाद जालान एवं एमडी नरेश जालान ने उनका स्वागत किया। देश में आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र की रामकृष्णा फोर्जिंग्स कंपनी को मेक इन इंडिया कार्यक्रम के लिए नौवें स्थान पर चुना गया है। राज्य के लिए यह गर्व की बात है।

औद्योगिक क्षेत्र के लिए गर्व-मोरी : टाटा मोटर्स ड्राइव लाइंस के सीओओ संपत कुमार मोरी ने कहा कि आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में रक्षा उपकरणों का तैयार होना देश एवं राज्य के लिए गौरव की बात है। इस क्षेत्र का यह सपना आरके फोर्जिंग्स की ओर से पूरी की जा रही है। उन्होंने कंपनी के चेयरमैन महावीर प्रसाद जालान की अगुआई में मेक इन इंडिया की सोच को पूरा करने के प्रति आभार जताया।

कार्यक्रम में ये भी हुए शामिल : सेमिनार में ब्रिगेडियर एके चानन, ब्रिगेडियर विक्रम सिंह, कर्नल केडी जसपाल, कर्नल नीरल कुमार, कैप्टन राकेश वाडकर, एनआईटी के निदेशक रामबाबू कोडाली, एसिया के अध्यक्ष इंदर अग्रवाल, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष रूपेश कतरियार, शंभु जयसवाल, प्रवीण गुटगुटिया, संतोख खेतान, संजय सिंह, सुधीर सिंह, एसके सेनापति समेत कई प्रमुख उद्यमी शामिल थे। इनके अलावा सेमिनार में आईआईटी खड़गपुर, निफ्ट रांची, एनएमएल जमशेदपुर, एनआइटी समेत एसिया के प्रतिनिधि व प्रमुख उद्यमी शामिल हुए।

सबने जताया आभार : मेक इन इंडिया कंसेप्ट को आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में धरातल पर लाने वाले उद्यमी महावीर प्रसाद जालान समेत इंडियन आर्मी के अधिकारियों के प्रति एसिया एवं लघु उद्योग भारती ने आभार जताया है। एसिया अध्यक्ष इंदर अग्रवाल एवं लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष रुपेश कतरियार ने कहा कि डिफेंस का उपकरण बनना औद्योगिक क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। इससे क्षेत्र की अन्य छोटी एवं लघु कंपनियों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि आरकेएफएल के पास विश्व स्तरीय उच्च तकनीक का लाभ मेक इन इंडिया को मिलेगा।

Indian Army opens up to indigeneous industry

B Vijay Murty
bmurty@hindustantimes.com

JAMSHEDPUR: The Indian army has opened out to Indian industry to meet its day to day procurements , heeding Prime Mminister Narendra Modi's 'Make in India' drive.

The army is holding special interactive sessions with the academia and the industry to propel the indigenous manufacturing sector and simultaneously make technological advancements to meet future battlefield scenarios.

In one such endeavour, on Thursday, deputy chief of army staff (planning and system), Lieutenant General Subrata Saha flew down to Jharkhand's biggest industrial hub in Adityapur and addressed a select gathering on the premises of Ram Krishan Forging Limited, which is India's second largest forging industry with five manufacturing plants across Jharkhand and Bengal.

General Saha said there is a huge potential for Indian industry to participate in army's procurement and meet its present and future requirements.

GENERAL SAHA SAID THERE IS A HUGE POTENTIAL FOR INDIAN INDUSTRY TO PARTICIPATE IN ARMY'S PROCUREMENT AND MEET ITS PRESENT AND FUTURE REQUIREMENTS

"The Indian army's strength is nearly 1.3 million. Hence the range, scope, width and depth of requirement from the industry are enormous. As part of our outreach programmes, we are travelling to industrial hubs across the country, conveying Indian army's modernization requirements. Together, we are exploring capabilities to develop everything indigenously," he said.

Spread over 3500 acres of land, Adityapur is one of the largest and oldest industrial belts of India. The average annual turnover of this industrial area is around Rs.3500 crore. A majority of companies are into heavy machineries.

Speaking to HT, Saha said around 60% of the Indian army's requirement were being imported. "But as part of this whole Make in India exercise, we are targeting to drastically cut down imports."

Two brigadiers accompanying him gave details of requirements of various units of the Indian army, specially the infantry, armoured units, artillery, air defence and signals and stressed how joint ventures could help acquire cutting edge technology to cope with the battlefield requirements indigenously.

RK Forging chairman MP Jalan convinced the army officials that given an opportunity Adityapur industries can deliver unmatched products they require at any point of time. He said the Indian army is like an ocean and there is tremendous scope for the Indian industries to associate with them.

Army officials said they have already tied up with IIT Mumbai and IIT Gandhinagar to open defence technology centres to develop future core technologies. They said the army's present policy is completely driven by Indianisation.

डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ले जेनरल सुब्रत साहा ने कहा

जमशेदपुर-आदित्यपुर के उद्योग आर्मी को कर सकते हैं सप्लाई

वरीय संवाददाता ▸ जमशेदपुर

डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (प्लानिंग व सिस्टम) लेफ्टिनेंट जेनरल सुब्रत साहा ने कहा है कि आदित्यपुर और जमशेदपुर के उद्योगों में सेना की जरूरतों की आपूर्ति की काफी संभावनाएं हैं. यहां की तकनीक व कंपनियों की उत्कृष्टता के कारण ही सेना ने भी रुचि जतायी है. निश्चिततौर पर सेना से जुड़कर यहां की कंपनियां अपने कारोबार को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगी. गुरुवार को सरायकेला स्थित रामकृष्ण फोर्जिंग लिमिटेड में उद्यमियों संग परिचर्चा के के बाद मीडिया से बातचीत में कहीं. उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने अपनी पॉलिसी में बदलाव किया है, ताकि छोटे और मंझोले उद्योग भी सेना के जरिये अपने कारोबार को बढ़ा सकें.

- सरायकेला के रामकृष्ण फ्रोर्जिंग पहुंचे साहा ने किया आह्वान
- छोटे और मंझोले उद्योगों के लिए सरकार ने पॉलिसी मे किया है बदलाव, उठायें फायदा

सेना में छोटे से लेकर बड़े कारोबार के लिए खुले हैं दरवाजे : श्री साहा ने बताया कि सेना के साथ 40 बिलियन यूएस डॉलर तक कारोबार की संभावनाएं हैं. इसमें 60 फीसदी से अधिक सामान विदेशों से आयात होता है. हम चाहते हैं कि हर हाल में देश में निर्मित अधिक से अधिक सामान का इस्तेमाल सेना में किया जाये. झारखंड संसाधन परिपूर्ण है और जमशेदपुर व आदित्यपुर क्षेत्र में संभावनाएं हैं. इनके लिए दरवाजा खोला गया है, आवश्यक कदम उठाये गये हैं.

छोटे व मंझोले उद्योगों से आये हैं आवेदन : श्री साहा ने बताया कि छोटे व मंझोले उद्योगों से बड़ी संख्या में आवेदन (आरएफआइ) आये हैं.

● बाकी पेज 15 पर, देखें 03 भी

RANCHI, JAMSHEDPUR The Telegraph
metro
FRIDAY 3 FEBRUARY

Good MORNING

Hello. It's Friday, February 3, 2017.

Fair

- Saraswati Puja mela at Sidhgora Bagan area, 11am.

Woollens

- Kashmiri woollens fair at Aambagan grounds in Sakchi, 10am.
- Tibet Market at Circus Maidan in Golmuri, 11am.
- Woollens fair on Ram Mandir premises in Bistupur, 10am.

Meet

- Inauguration of 25th Asian Astrologers' Conference on Ram Mandir premises in Bistupur, 10am.

Cricket

- Cricket practise at CWA grounds in Golmuri, 7am.

Archery

- Archery training at JRD Tata Sports Complex in Bistupur, 7am.

Badminton

- Badminton training at Mohan Ahuja Stadium in Northern Town, 9am.

MP Jalan (left), chairman of Ramkrishna Forgings Ltd greets Lt-Gen Subrata Saha, the deputy chief of Army Staff (planning and systems) in Seraikela on Thursday. Picture by Bhola Prasad

Call to mix business with patriotism

PINAKI MAJUMDAR

A day after the Union Budget tax rebate for MSMEs, the small industries hub in Seraikela-Kharsawan got a shot in the arm when the Indian Army came calling, giving them the scope to flourish under the Make in India initiative.

Lt-Gen Subrata Saha, the deputy chief of Army Staff (planning and systems), led a team to Ramkrishna Forgings Ltd, a leading forging manufacturing company at Kolebira in Seraikela, about 25km from the steel city, to interact with industry representatives and academia on the issue.

Chairman of Ramkrishna Forgings Ltd, M.P. Jalan came from Calcutta to attend the event. Among academia were IIT-Kharagpur, NIT- Jamshedpur, NIFFT-Ranchi and NML-Jamshedpur. Representatives of the industry included Automotive Component Manufacturers Association, Adityapur Small Industries Association and Laghu Udyog Bharti.

"Defence budget for procurement is 40 billion US dollar. If 40 per cent of it is supplied by indigenous companies we can avoid depending on outside," said Lt-Gen Saha, adding that the government's new Defence Procurement Policy had been tailored to suit basic needs of the Indian Army giving greater flexibility to the domestic industry for participating in the order.

Lt-Gen Saha appealed to the MSMEs based at Adityapur and Seraikela to push indigenous manufacturing requirements of Indian Army.

"Participation of private firms will make Indian Army's technological needs easier to achieve," he said, adding the policy focuses not only on manufacturing but also on design and development, which was why they wanted elite tech institutions to suggest ideas.

S.P. Senapati, HR (president) and spokesperson of Ramkrishna Forgings, said they were hopeful of a positive outcome. "Apart from Ramkrishna Forgings, there are several MSMEs here which have the potential of catering to the needs of Indian Army. The units should use this opportunity to leverage their potential, bag huge orders from the Indian Army and gain from Make in India," Senapati said.

At present, 32 per cent of defence equipment are made in India. Defence Research Development Organisation wants the figure to touch 70 per cent by 2018, for which MSMEs will have to play a key role.

Ca
sum

Health hub planned at venue

A.S.R.P. MUKESH

Ranchi administration is working overtime to spruce up the capital in time for the February 16 Global Investors' Summit, working to streamline traffic, conducting anti-encroachment drives and even setting up a temporary health hub at the mega sports complex, the sprawling venue that is expected to host over 3,000 delegates over two days.

A five-bed exclusive hospital will be set up at the Hotwar sports complex to attend to any exigencies during the much-publicised business promotion conclave while Bhagwan Mahavir Medica Superspeciality Hospital near Booty More and state-owned Rajendra Institute of Medical Sciences (RIMS) would act as referral hospitals.

Ranchi deputy commissioner Manoj Kumar, who convened a meeting with district officials and Confederation of Indian Industry (CII) representatives on Thursday morning, said that while CII and the state industries department were jointly handling overall arrangements, he was ensuring that the district administration also stepped in wherever and whenever necessary.

"Since a large number of delegates, industry leaders and other invitees are expected to attend the two-day summit, health arrangements ought to be proper. So we have proposed